

ग्रसाघारण

EXTRAORDINARY

भाग -- त्रण्ड 1

PART I-Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

मं० 225]

नई विल्ली, बुधशार, विसम्बर 22, 1971/पौष 1, 1893

No. 225]

NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 22, 1971 PAUSA 1, 1893

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह प्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके । Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

PUBLIC NOTICE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 22nd December, 1971

SUBJECT:-Extra freight and insurance charges on imports.

No. 179-ITC(PN)/71.—It has been reported that there has been an increase in the freight and insurance charges by way of war risk surcharge in respect of imports into India as a result of the recent Indo-Pakistan conflict. Importers who have had to pay such extra charges would normally have to get the value of their import dicences suitably enhanced. In order to save time and work all round in amending the values of licences in such cases, it has been decided that any excess of freight and insurance over the c.i.f. value of the licences on account of the above mentioned war risk surcharge would be condoned by the customs authorities, in regard to shipments made between 4th and 19th December, 1971.

2. The licensees will not be required to produce the licences to the Import Trade Control authorities for amendment and the customs authorities will allow clearance on production of documentary evidence in respect of the increase in the freight and insurance charges. Similarly, the authorised dealers in foreign exchange will allow remittance to cover the enhanced freight and insurance charges on this account without any amendments being made in the licences by the Import Trade Control authorities.

M. M. SEN, Chief Controller of Import & Exports.

विवेश व्यापार मंत्रालय सार्वजनिक सूचना ग्रायक व्यापार नियंत्रशा

नई दिल्ली, 22 दिसम्बर, 1971

विषय.--आयात पर श्रतिरिक्त भाड़ा और बीमा प्रभार ।

संख्या: 179 प्रार्ष ० दी०सी० (भी०एन०)।71.—यह सूचना मिली है कि वर्तमीन भारत—पाम संघर्ष के परिणामस्वरूप, भारत में किये जाने वाले प्रायातों के सम्बन्ध में युद्ध जोखिम प्रधिशुरूक के रूप में भाड़ा ग्रीर बीमा प्रभारों में वृद्धि की गई है। वे ग्रायातक जिन्हों इस प्रकार के ग्रातिरिक्त प्रभार देने ये सामान्य रूप से उन्हें प्रपने ग्रायात लाइसेंसों के मूल्य में उपयुक्त वृद्धि करानी होगी। इस प्रकार के मामलों में, लाइसेंसों के मूल्य को संगोधित करने में समय ग्रीर सभी प्रकार के श्रमों से बचने के विचार से यह निश्चय किया गया है कि ऊपर उल्लिखित युद्ध जोखिम ग्रधिशुरूक के कारण लाइसेंस के लागत बीमा भाड़ा पर भाड़ा ग्रीर बीमा के किसी वृद्धि की माफी 4 दिसम्बर से 19 दिसम्बर के बीच में किये गये पोतलदानों के सम्बन्ध में सीमाशुरूक ग्रधिकारियों द्वारा ठी जायेगी।

2. लाइसेंसधारियों को मायात व्यापार नियंत्रण प्राधिकारियों के पास लाइसेंसों में संशोधन के लिए प्रस्तुत करने की जरूरत नहीं होगी श्रीर माझा तथा बीमा प्रभारों में हुई वृद्धि के सम्बन्ध में प्रसेखीय साक्ष्य प्रस्तुत किये जाने पर सीमाशृत्क प्राधिकारी निकासी की स्वीकृति देंगे। इसी तरह, विदेशी मुद्रा में प्राधिकृत व्यापारी श्रायात व्यापार नियंत्रण प्राधिकारियों द्वारा लाइसेंसों में किसी प्रकार का संशोधन नहीं किये जाने पर भी इस कारण भाड़ा श्रीर बीमा प्रभारों में हुई वृद्धि को पूरा करने के लिए प्रेषण की स्वीकृति देंगे।

एम० एम० सेन, मुख्य नियंत्रक, भायात-निर्यात_्।